M - 2020

Printed Pages : 4

2022-I

Hindi-I

B.A. (Part-II) Examination, 2020

(Three-Year Scheme of 10+2+3)

(Faculty of Arts)

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न-पत्र

रीतिकाव्य

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

नोटः (i) सभी (लघूत्तरात्मक तथा वर्णनात्मक) प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तर पुस्तिका में ही लिखिए। लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के क्रमानुसार ही दीजिए। इसी प्रकार किसी भी एक वर्णनात्मक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर, उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाए एक ही स्थान पर क्रमानुसार हल करें।

(ii) किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जायेगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिये कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर लिखें।

(iii) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

1. निम्नलिखित पद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) हरि कैसो वाहन कि बिधि कैसो हेमहंस
लीक सी लिखत नभ फहन के अंक कों।
तेज को निधान राममुद्रिका विमान कैधौं
लक्ष्मण को बान छूट्यो रावन निसंक कों।।
गिरिगजगंड ते उडान्यों सुबरन अलि
सीतापद-पंकज सदा कलंक रंक कों।
हवाई सी छूटी 'केसोदास' आसमान में
कमान कैसो गोला हनुमान चल्यो लंक कों।। 3+5+2=10

https://www.pdusuonline.com

https://www.pdusuonline.com

अथवा

भूषन-भारू सँभारिहै क्यौं इहिं तन सुकुमार।
सूधे पाई न धर परैं सोभा ही के भार।।
कीनेहूँ कोटिक जतन अब कहि काढ़ै कौन।
भो मन मोहन रूप मिलि पानी में को लौन।।

(ख) डारि द्रुम पालना बिछौना नव-पल्लव के
सुमन झंगोला सोहै तन छवि भारी दै।
मदन महीप जू को बालक बसन्त ताहि,
प्रातहिं जगावत गुलाब चटकारी दै।।
पूरित पराग सों उतारा करें राई-लौन,
कुंदकली नायिका लतान सिर सारी दै।
मदन महीप जू को बालक बसन्त ताहि,
प्रातहिं जगावत गुलाब चटकारी दै।।

3+5+2=10

अथवा

ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवारी, ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहाती है।
कंद मूल भोग करै कंद मूल योग करै, तीन बेर खाती थी वै तीन बेर खाती है।
भूषण सिथिल अंग भूषण सिथिल अंग, विजन डुलाती थी वै विजन डुलाती हैं।
भूषण भनत सिवराज बीर तेरे त्रास, नगन जड़ाती थी वै नगन जड़ाती है।।

(ग) भोर, तै साँझ लौ कानन-ओर निहारति बावरी नैक न हारति।
साँझ तै भोर लौं तारिन ताकिबौ, तारनि सौ इकतार न टारति।।
जौ कहूँ भावतो दीठि परै घनआनंद आँसुनि औसर गारति।
मोहन-सोहन जोहिन की लगियै रहै आँखिन के उर आरति।।

3+5+2=10

अथवा

https://www.pdusuonline.com
https://www.pdusuonline.com

लता प्रसून डोल बोल कोकिला अलाप केकि,
लोक कोक कंठ त्यों प्रचंड भृंग भुंज की।
समीर बास रास रंग रास के बिलास बास,
पास हंसनंदिनी हिलोर केलि पुंज की।।
'आलम' रसाल बन, गान ताल काल सौ,
बिहूँग बाप बेगि चालि चित्त लाज लुँज की।
सदा बसन्त, हंस सोक ओक देव लोक ते,
बिलोकि रीझि रही पाँति भाँति सौं निकुंज की।

(घ) ऐसी न देखीं सुनी सजनी धनी बाढ़त जात वियोग की बाधा।
त्यों 'पद्माकर' मोहन को तब तें कल है न कहूँ पल आधा।।
लाल गुलाब धलाधल में दृग ठोकर दै गयी रूप अगाधा।
कै गयी कै चेटक-सी मन लै गयी ले गयी ले गयी राधा।। 3+5+2=10

अथवा

मालती की माल तेरे तन को परस पाइ,
और मालतीन हू तैं अधिक बसाति हैं।
सोने तैं स्वरूप, तेरे तन की अनूप रूप,
जातरूप-भूषण तैं और न सहाति है।।
सेनापति स्याम तेरी सहज निकाई रीझै,
काहे कौ सिंगार कै कै बितवति राति है।
प्यारी और भूषण कौ भूषण है तन तेरौ,
तेरियै सवास और बास बासी जाति है।।

2. "अपने काव्य गुणों के कारण महाकाव्य की रचना किए बिना ही बिहारी को महाकवि की श्रेणी में गिना जाता है।" इस कथन की समीक्षा कीजिये। 15

अथवा

स्पष्ट कीजिये कि कवि सेनापति का ऋतुवर्णन अद्वितीय है।

कृ०प०उ०

https://www.pdusuonline.com
https://www.pdusuonline.com

3 "काव्य के प्रति आग्रह पांडित्य के प्रति मोह, शृंगारिकता के प्रति रुझान और भक्ति के प्रति आकर्षण कवि केशव के काव्य की विशेषता रही है" इस कथन की विवेचना कीजिये। 15

अथवा

भूषण की कविता का अंगीकार रस 'वीर-रस' है। इस दृष्टिकोण को आधार बनाकर स्पष्ट कीजिये कि 'भूषण' 'वीर-रस' के सर्वश्रेष्ठ कवि हैं।

4. पठित पदों के आधार पर कवि 'पद्माकर' की काव्य कला एवं भावाभिव्यक्ति की समीक्षा कीजिये। 15

अथवा

स्पष्ट कीजिये कि 'प्रेम की पीर' या 'इश्क का दर्द' आलम के काव्य की विशेषता रही है।

5. रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा से आप क्या समझते हैं, सोदाहरण विस्तारपूर्वक समीक्षा कीजिये। 15

अथवा

रीति शब्द की परिभाषा बताते हुए 'रीतिकाल' के नामकरण और समय सीमा बताते हुए इस काल की विशेषताओं को संक्षेप में बताइये।

अथवा

'रीतिकाल' की सामान्य परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए इस काल की प्रवृत्तियों की समीक्षा कीजिये।

—x—

https://www.pdusuonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.pdusuonline.com
https://www.pdusuonline.com